ग्रह योग फल

दमारुक योग

जीवन के तीन भागो में से प्रथम अंश आपके लिये सर्वश्रेष्ठ होगा। मध्य भाग के दरमियान (२४ से ४८ तक) आपके जीवन में ऐसी परिस्थितियां आयेंगी जिनके ऊपर आपका नियंत्रण नहीं रहेगा व आपकी प्रगति में अड़चन होगी। अगर आपकी कुन्डली में और शुभ योग हैं तो इसके प्रभाव में परिवर्तन हो सकता है।

रूचक योग

यह भाग्यकारक योग है। आप को अच्छा स्वास्थ्य ओर सु.ढ शरीर मिलेगा। आपका व्यकितत्व प्रभावशाली बनेगा और आप में नेतृत्व की क्षमता रहेगी। आप धनी, समृद्ध और दीर्धायु बनेंगे।

हंस योग

यह शुभ योग आपको सुंदर शरीर व कई अच्छे गुण देगा। आप शुद्ध संस्कार व विचार रखते हैं व परोपकार के लिये काम करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिती मजबूत होगी, व अपनी मदद करने की प्रवृत्ति के कारण आपको समाज में अच्छा स्थान मिलेगा। आपकी समाज में प्रभावशाली स्थिती होगी।

उत्तम गृह योग

यह शुभ योग है। आप सुंदर घरों के स्वामी बनेंगे व सुविधायुकत जीवन जीयेगे। हो सकता है कि आप अपने घर के द्वारा धनार्जन भी करें।

अयत्न गृह योग

यह सौभाग्यदायक योग है। आपको बिना प्रयत्न ही विरासत मे घर मिलेगा। आप सुख–सुविधा युक्त जीवन बीताएंगे।

त्रिलोचन योग

यह अत्यंत सौभाग्यदायक योग है। आप के पास बहुत धन होगा व समाज में आपको आदर मिलेगा। आप अत्यंत चतुर हैं व दुश्मनों का विनाश करेंगे। आप सुखपूर्वक जीयेंगे व लंबी आयु पायेंगे।

त्रिलोचन योग

यह अत्यंत सौभाग्यदायक योग है। आप के पास बहुत धन होगा व समाज में आपको आदर मिलेगा। आप अत्यंत चतुर हैं व दुश्मनों का विनाश करेंगे। आप सुखपूर्वक जीयेंगे व लंबी आयु पायेंगे।

सदा सन्चार योग

यह योग मिश्रित प्रभाव देता है। आप कोई ऐसे व्यवसाय में सलंग्न होंगे जिस में आपको बहुत यात्रायें करनी होंगी। इस योग के प्रभाव से आपकी यात्रायें आसान व शुभ फल दायक होंगी।

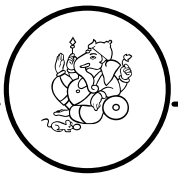

ग्रहदृष्टि के फल

रवि संयोग बुध
यह योग यात्रा,व्यापार और लेखन जैसे रचनात्मक कार्यो के लिए अत्यन्त शुभ है। इसके शुभ प्रभाव से बुद्धिमता व विनोद प्रियता की प्राप्ति होती है। इस योग से धन की स्थिति भी अच्छी रहती है।

रवि सेमी स्क्वायर शुक्र
आपको धन के खोने या अधिक खर्च होने से मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपनी सभी चीजों को संभाल कर रखना चाहिए। आपको निराशा व कलह से बचने का प्रयत्न करना चाहिए।

रवि स्क्वायर इन्द्र
आपके जीवन में जो कुछ भी घटता है वह अचानक ही घटता है जैसे कार का अचानक खराब होना या जीवन साथी से अलगाव। आप हमेशा असमंजस में रहते हैं तथा अपने शरीर की भी देखभाल नहीं करते। आपको अपने व्यक्तिगत जीवन में चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

रवि सेक्सटाइल वरुण
आपका झुकाव जीवन के रहस्यों व अध्यात्म की ओर है। आपके जीवन का मूल मंत्र संतुष्टि व खुशी है। आपकी रुचि कविता व संगीत में भी है। आपका भाग्य भी प्रबल है, खासतौर पर मित्रों व पडोसियों के बारे में। समाज सेवा मे भाग लेना भी आपके व्यक्तित्व का एक हिस्सा है।

रवि ट्राइन रुद्र
आप खोजी तथा अन्वेषक प्रवृति के है। आप मे दृढ़ इच्छा शक्ति, आत्म नियंत्रण व नेतृत्व के जन्मजात गुण हैं। आप लोगों को अपने विचारों व दृष्टिकोण से प्रभावित करने मे काफी सफल रहते हैं।

बुध सेमी स्क्वायर शुक्र
आपको अपने निजी सम्बन्धों में चुनौतियों का सामना करन पड़ सकता है जिनका सामना आप अपनी तालमेल बनाने की योग्यता और व्यवसायिक .ष्टिकोण के बल पर कर लेंगे। अपनी भावनाओं पर नियन्त्रण रखने से आपको फायदा मिलेगा।

बुध संयोग मंगल
आप प्रतियोगी एवं हरफन मौला किस्म के व्यक्ति है तथा एक समय मे कई कार्य

करने की क्षमता रखते है। आपका आत्म नियंत्रण भी गजब का है, जिससे आप निर्णय लेते समय भाववेरा मे नहीं आते। आप बातचीत करने की कला मे भी काफी सशक्त है विशेषता भाषण देने मे , समाज मे भाषण देना कोई आपसे सीखे।

बुध ट्राइन रुद्र

आप को न सुनना पसन्द नहीं है। आप जब तक किसी समस्या या रहस्यमयी गुत्थी को सुलझा नहीं लेते तब तक आप चैन से नहीं बैठते। ध्यान लगाना, बातचीत की कला तथा बुद्धिमता आपके विशेष गुण हैं तथा आखिरी दो गुणों के कारण लोग आपके प्रशंसक बनते हैं।

शुक्र सेमी स्क्वायर मंगल

शुक्र मंगल का .ष्टि सम्बन्ध व्यक्ति को वाचाल (बड़बोला) बनाता है तथा ऐसे लोग नए–नए मित्र बनाने में कुशल होते हैं। कुछ लोगों में भौतिक सुखों की लालसा अधिक होती है।

गुरु सेमी स्क्वायर राहु

आपके व्यवहार में दीवानगी है। आपके जीवन में भाग्योन्नति के अवसर खूब आएँगे। आपके मस्तिष्क में नए–नए विचारों का उदय होगा और आप उन्हें कार्यानवित भी करना चाहेंगे। आप में दूसरों से सीखने की प्रवृति है इस कारण आपकी उन्नति होती रहेगी।

चन्द्र विपरीत वरुण

न तो आप में भावुकता ज्यादा है और न ही आत्म नियंत्रण। आप ने जीवन मे आवाँछित लोगों के सम्पर्क मे आ सकते हैं। आप को दिन मे भी स्वप्न देखने की आदत है।

केतु ट्राइन इन्द्र

आपमें असीमित ऊर्जा है तथा आप अपनी क्षमताओं से परिचित हैं। आप अपनी क्षमताओं से परिचित हैं। आप मानवीय तथा सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे। अपने आकर्षक व्यक्तित्व तथा विलक्षण विचारों के कारण आप सदा रोशनी मे रहेंगे तथा काफी उन्नति करेंगे।

केतु स्क्वायर वरुण

आपका जीवन के प्रति दृष्टिकोण निराला है। आप अपने आदर्शों व विचारों के अनुसार काम करना पसन्द करते हैं। आप अपनी नीति व योजना के बल पर जीवन में अधिकार व बल प्राप्त करेंगे।

इन्द्र सेमी सेक्सटाइल वरुण

आपकी दर्शन व आध्यात्म में गहरी रुचि रहेगी। आप कलात्मक कार्य भी करना चाहेंगे।

इन्द्र सेमी सेक्सटाइल रुद्र

आप ज्योतिष़ जादू तन्त्र–मन्त्र जैसे गूढ़ विषयों में गहरी रुचि लेंगे। आप अपने निकार के लोगों से अच्छी सूझबूझ व तालमेल बैठाएंगे। प्रायः आपकी सेहत अच्छी रहेगी।

वरुण सेक्सटाइल रुद्र

यह ज्योतिष स्थिति बतलाती है कि आपकी दर्शन और मनोविज्ञान मे गहरी रुचि है। कभी–कभार आपको मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता हैं अतः अपना विश्वास बढ़ाएं।

भविष्यवाणी

खास खूबियां

आपको रचनाशील, कल्पनाशील, अंतः प्रेरणा की क्षमता और कलात्मक कार्यो में रुचि रखने वाला मन प्राप्त है। आपका बर्ताव मिलनसार और स्नेह स्थायी है।

आप जीवन से प्यार करते हैं व संपूर्ण सुख सुविधाओं के साथ उसका आनन्द उठाना चाहते हैं। आप नाटक, संगीत और ललित कलाओ में सफल रहेंगे। आपको धनी स्त्रीओं का आश्रय मिलेगा।

आपकी मनोवृति पल पल बदलती रहती है। आपका स्वभाव मूडी व रोमांटिक है। किसी भी कलाकार की तरह आप भावुक व कोमल स्वभाव के हैं। आपको स्वादिष्ट भोजन पसंद होगा व आप यात्राओं में सफलता प्राप्त करेंगे। आपका स्वभाव व्यवहारिक है और आप सहजता से जमीन व संपत्ति पायेंगे।

हो सकता है प्रेम सम्बन्धों में मिली निराशाएं आपको कमजोर बनायें। आपका वैवाहिक जीवन और घर का माहौल विचित्र सनकों से भरा होगा लेकिन आप अपनी भावनाओं व सम्बन्धों के प्रति ईमानदार रहेंगे। आप के जीवन के शुरुआती वर्ष परनिर्भरता और गुलामी के कारण दुष्कर होंगे परन्तु आप अनुभवों से सीखते हुये इससे बाहर आ जायेंगे।

मानसिक खूबियां

आपका स्वभाव दृढप्रतिज्ञ है जो कभी–कभी ज़िद्दीपन की हद तक जा सकता है। आपके मेहनती और धीरजभरे स्वभाव से आपमें दृढ़ इच्छाशक्ति उत्पन्न होगी। आप खुद पर गर्व महसूस करेंगे।

शारीरिक सरंचना

आपकी जन्मकुन्डली के अनुसार आपकी गरदन और कंधे चौड़े और थोड़े झुके हुए होंगे। आपकी भौहें विचारमग्न और होंठ आकर्षक हैं। आंखे काली, माथा चौड़ा व बाल घुंघराले होंगे।

स्वास्थ

आपकी सूर्य राशि आपके रक्त संचार तंत्र, रक्त व तलवे पर अपना प्रभाव रखती है। शरीर के इन हिस्सों में आपको चोट लग सकती अथवा कोई रोग हो सकता है। आपको हृदय रोग, रक्त संचार तंत्र में तकलीफें, मांसपेशियों में अकड़न, व पैरों की तकलीफ हो सकती है।

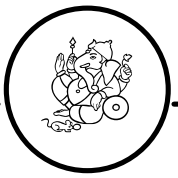

काम के लिये खुद पर ज़ोर डालने की आदत आपके स्वास्थ्य के लिये हानिकारक सिद्ध होगी। थकान, मांसपेशियों में अकड़न और बीमारियों का कारण बन सकती हैं।

आपको नियमित रूप से कसरत करनी चाहिए। खाने में पालक, अनार और हरी सब्जियों का सेवन आपके लिए फायदेमंद होगा। आपकी कुन्डली का लग्न भाव मंगल से दूषित है। आपको हार्निया, रक्तस्त्राव जैसी बीमारियाँ हो सकती हैं।

आपकी कुन्डली में नेपच्युन चंद्र को दूषित कर रहा है इस वजह से आपको जानवर के काटने से अथवा किसी कीड़े के काटने से परेशानी हो सकती है।

आपकी कुन्डली में बुध सूर्य को दूषित कर रहा है इसलिये आपकी स्मरणशक्ति कमजोर हो सकती है। आप थोडे अधीर चित्त और चिंतित रहेंगे। आपकी कुन्डली में सूर्य युरेनस से दूषित हो रहा है। आपको हृदय सम्बन्धी बीमारीयाँ हो सकती है। आपकी कुन्डली में सिंह राशि को शनि और मंगल दोनो दूषित कर रहे है। इससे आपके पेट में परेशानी हो सकती है।

शिक्षा एवं जीविका

आप बुद्धिमान व्यक्ति होंगे और कई विषयों में आपकी रूचि होगी। आपकी शैक्षणिक स्थिति उच्च कोटि की होगी, आप स्नातक होंगे अथवा किसी विषय में डिप्लोमा प्राप्त करेंगें। घर की चार दीवारी में कैद रहने से ज्यादा आप बाहर की दुनिया की खोज करना पसंद करेंगे। आप ऐसे क्षेत्र में जायेंगे जिसमें औपचारिक शिक्षा की जरुरत नहीं होगी।

आपकी कुन्डली में विद्यमान ग्रहयोग आपको जीवित प्राणियों की कार्यप्रणाली में विशेष रुचि प्रदान करते हैं। आप जीव विज्ञान का अभ्यास कर सकते हैं और चिकित्सा शास्त्र में शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं। आप डॉक्टर अथवा सर्जन बनेंगे या चिकित्सा से सम्बन्धित किसी क्षेत्र में सफल होंगे।

आपकी कुन्डली में विद्यमान ग्रहयोग आपको जन्मजात व्यापारी के गुण प्रदान करते हैं। आप व्यापार की बारीकियॉ जल्दी सीख जायेंगे। आप व्यापार और उत्पादन के क्षेत्र से अच्छी कमाई करेंगे, परंतु आपको व्यापार में आने वाली मंदी का सामना करना पडेगा उस समय आपको अपने पर नियंत्रण रखना होगा। लेकिन आम तौर पर आपका व्यापार अच्छा चलेगा।

संपत्ति व उत्तराधिकार

परिवार–संपत्ति की दृष्टि से यह ग्रह स्थिति आपके लिये शुरुआत से अच्छी रहेगी। शादी के बाद आपको धन संपत्ति मिलेगी और स्त्रीयों की ओर से विरासत में धन मिलेगा। आपका परिवार छोटा होगा किंतु उसके सदस्य बहुमुखी प्रतिभा वाले होंगे।

आप गहनों व मूल्यवान चीज़ों पर काफी धन व्यय करेंगे।

आपकी कुन्डली में लाभभाव का स्वामी लग्न भाव में है यह शुभ "धन योग" को जन्म देता है। इस योग के कारण आप अलग अलग स्रोतो से धन प्राप्त करेंगे। आपके व्यापारिक प्रतिष्ठान सफलता से चलते रहेंगे और आपका कारोबार दिन–प्रतिदिन फैलता जाएगा। आपकी शुरुआत भले ही साधारण हो पर आप अपनी अपेक्षाओं से भी आगे जायेंगे और संतोषमय जीवन जीयेंगे।

आपकी कुन्डली में विरासत का स्वामी लग्न भाव में स्थित है। यह विरासत के लिये शुभ है। आपको अपने माता पिता और जीवनसाथी की तरफ से संपत्ति मिलेगी। आपके साथ कभी अचानक कोई दुर्घटना हो सकती है जिसमे आपके सिर में चोट लगने की संभावना है।

विवाह एवं वैवाहिक जीवन

आपकी कुन्डली बताती है की आपकी शादी जल्दी होगी।
आपकी कुन्डली में लग्न भाव और सप्तम भाव का स्वामी सेमी–स्कवेअर दृष्टि सम्बन्ध रखता है। आप दोनों के दृष्टिकोण अलग–अलग होने के कारण आपके बीच सामंजस्य की कमी हो सकती है। लेकिन अगर आप व्यवहारिकता से काम लें तो एक दूसरे को अच्छी तरह से समझ पायेंगे और स्थिति में सुधार होगा।

यात्रा एवं भ्रमण

आपकी कुन्डली में अधिकतर ग्रह चर और द्विस्वभाव राशिओं में हैं। आप जन्म से ही घूमने के शौकीन होंगे व बहुत सारी जगह घूमेंगे। यात्रा आपके जीवन पर बहुत प्रभाव रखेगी और इससे आपके जीवन में बहुत बदलाव आयेगा। आपको व्यवसाय के लिये बहुत यात्रा करनी पड़ेगी। आपकी कुन्डली में ज्यादातर ग्रह त्रिकोण भाव और चर राशियों में है। आपको अपने व्यवसाय के कारण काफी यात्रा करनी पड़ेगी। आप अपने शौक व आनन्द के लिये भी यात्राएं करेंगे।

शुभ रत्न

सारे शुभ रत्नों में नीलम आपके लिये सबसे अनुकूल रहेगा।

आपको ४ से ७ रत्ती का नीलम सोने की अंगुठी में दायें हाथ की मध्यमा उंगली में शनिवार को धारण करना चाहिए।

नीलम का सस्ता उपरत्न लाजवर्त अथवा अम्बर को सोने अथवा पंच धातु की अंगूठी में या लोहे की अंगूठी में पहनना चाहिए।

रत्न पहनते हुये नीचे दिये गये मंत्र का जाप करें।

" नीलांजनं समाभासं रविपुत्रं यमाग्रजं
छायामार्तण्ड समभूतम तम नमामि शनैश्चरम।"

रत्नों का ऊपर दिया गया वज़न १८ साल से ऊपर के पुरुषों के लिये है। स्त्रियों के लिये यह वज़न ३/४ से १/२ तक और छोटे बच्चो के लिये १/२ से १/४ भाग का रहेगा।

ग्रहों की स्थिती का फल

लग्न फल

आपका लग्न धनु है आपके लग्न का स्वामी जूपीटर यानि बृहस्पति है. यह आपके लिए मंगलकारक है.

चूंकि आपका लग्न धनु है. अतः आप मशहूर, धार्मिक, धनवान, बुद्धिमान और अति शिक्षित होंगे. वैसे आप आदत के थोड़े चंचल और सनकी भी होंगे. आप अपना हर काम जल्दबाज़ी में करेंगे. आपके अंदर अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए एक खास किस्म की अभिलाषा होगी. अपनी तुरन्त निर्णय लेने की आदत और जल्दबाज़ी की कई बार आपको भारी कीमत चुकानी पड़ेगी. लोग आपको पागल या स्वार्थी कहेंगे मगर आप हमेशा एक मेहनती इंसान और एचिवर के रूप में याद रखे जायेंगे. आप खुली विचारधारा वाले, फ्रेंक, लोगों से घुलने–मिलनेवाले और अपनी बात साफ शब्दो में कहनेवाले होंगे. दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ आप उत्साहपूर्वक रिश्ते निभाऐंगे. अलबत्ता आपमें एक अजीब अवगुण हो सकता है. आपके विचारों और विश्वासों के बीच काफी फर्क होगा जो आपके क्रिया–कलापों से ज़ाहिर हो जाएगा. अपनी कथनी और करनी में आप डबल स्टैंडर्ड अपनायेंगे. बहरहाल, काफी हद तक आप ईमानदार और सच्चे रहेंगे. आपको फिलॉसफी में गहरी दिलचस्पी होगी. आप सिद्धांतों का सम्मान करेंगे और हर काम कानून में रहकर करेंगे.

राशियों में ग्रहों की स्थिति का फल

रवि

आपके चार्ट में सूर्य मकर राशी में स्थित है. इस राशी का स्वामी सॅटर्न है. आपके होरोस्कोप में जब तक शनि मज़बूत नहीं हो जाता, ठीक तरह से जम नहीं जाता, तब तक आपके पीड़ित रहने की संभावना है. अपने जीवन के इस काल में आपका शरीर त्रिदोष से पीड़ित रहेगा. अपनी इस बीमारी की वजह से आप दिमागी तौर पर भी बीमार हो सकते हैं, अपसेट रहेंगे. इस कारण आपको अपनी सेहत का खासतौर पर ख्याल रखना होगा. आप सादगी पसंद इंसान होंगे. आपके प्रिंसीपलस उचित और इमानदार होंगे. आपके मन में किसी के लिए छल कपट नहीं होगा. आप शील स्वभाव के होंगे. आप अनुकूल तरीकों से अपने दोस्तों का दिल जीत लेंगे. अलबत्ता ऐसा हो सकता है कि अपने जीवन में कुछ समय के लिए आपको बीवी या बच्चों की तरफ से परेशान होना पड़ जाए.

बुध

आपकी कुंडली में मरक्यूरी अर्थात बुध ग्रह मकर राशी में स्थित है. जब तक कि इस

राशी के लग्न–स्वामी सॅटर्न यानि का शनि का स्वभाव भला नहीं हो जाता, आपका का स्वभाव गरम रहेगा. आपको जरा–जरा सी बातों पर गुस्सा आएगा. आप बहुत शक्की मिजाज़ के होंगे. आप दूसरों से असहमत रहेंगे. आप स्वयं के लिए दुर्भाग्याशाली बन सकते है. आपका स्वभाव चालाक धूर्त, दुष्ट और हठी बन सकता है. आप बुरे लोगों को अपना दोस्त बनाएगे तथा बुरी आदतों में लिप्त हो जायेंगे. आपको जीवन में बहुत यात्रा करनी होगी. आपके जीवन में कुछ परिवर्तन एकाएक आयेंगे. अगर किसी तरह से जूपीटर ग्रह मरक्यूरी ग्रह के संपर्क में आता है तो स्थिति में काफी बेहतर बदलाव होंगे.

शुक्र

आपकी कुंडली में वीनस, धनु राशी में स्थिति है. आप एक वीर तथा साहसी इंसान बनेंगे. आप किसी भी छल या बुरे कार्य को करना पसंद नहीं करेंगे. हालांकि आपका स्वभाव काफी गर्वीले और उग्र होगा. इसके बावजूद आपका बरताव उचित रहेगा. आप अपराधी कार्यों से दूर रहनेवाले, उपकारी और दयालू किस्म के होंगे. आप किस्मत के धनी होंगे. आपको साहित्य और कला में विशेष गुण प्राप्त होंगे. आपको सही और उचित तरीके से किया गया मनोरंजन ही पसंद होगा. आपको अधिकारियों से काफी फायदे और फेवर प्राप्त होंगे. इसके बावजूद आपके किसी ईर्ष्यालू साथी की गलत हरकत से आप तनावग्रस्त हो सकते है.

मंगल

आपकी कुंडली में मार्स अर्थात मंगल ग्रह मकर राशी में स्थित है. यहां पर, मार्स काफी शक्तिशाली हो गया है, इसलिए आप किस्मत के धनी होंगे. और तो और, अगर आपका लग्न तुला, कर्क, मेष या मकर है तो यह आपको रूचक योग देगा. जो की अत्यंत शुभ होगा. अगर चंद्र, मकर में है तो आपका चंद्र मंगल योग बन जाएगा. इससे आपके पास सुख सुविधाओं और धन आदि की कोई कमी नहीं रहेगी. आपके किसी दुर्भाग्यशाली दुर्घटना वगैरह से दो–चार होने की संभावना भी काफी है. इसके अलावा आपको कभी कोई बडा सर्जिकल ट्रीटमेंट आदि नहीं करवाना पड़ेगा. अगर मार्स पीछे हटता है या पीड़ित होता है तो हालात इतने बेहतर नहीं होंगे. अगर आपका लग्न मिथुन होगा तो अपने जीवन में आप किसी बड़ी दुर्घटना से बाल–बाल बच जायेंगे.

गुरु

आपकी कुंडली में ज्यूपिटर अर्थात गुरु ग्रह कर्क राशी में स्थित है. ज्यूपिटर एक शुभ ग्रह है और आपकी कुंडली में आने के बाद यह शुभ ग्रह और भी ज्यादा शक्तिशाली हो गया है. इससे आप आत्मविश्वासी बनेंगे. मगर आप बहुत बातूनी होंगे. आपको बाते बनाने में असीम आनन्द आएगा. आप अपने जान–पहचान और अन्य लोगों के कार्यों में लीन होने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे. शायद आप बहुत ज्यादा बहादुर और हिम्मती भी नहीं होंगे. इसके बावजूद अपनी भावनाओं को आप समझदारी से ज़ाहिर

करेंगे और स्वंय को समझदार और अक्लमंद बनाकर सबके सामने पेश करने का प्रयास करेंगे. अधिकारियों वगैरह से आपकी अच्छी जान–पहचान रहेगी. आप बहुत से लाभ कमायेंगे, आपको ढेर सारी त्यागी हुई संपत्ती मिलेगी. आप समाज में एक आदरणीय व्यक्ति के रूप में जाने जायेंगे. आपकी ख्याति चारों तरफ फैलेगी.

शनि

आपकी कुंडली में सैटर्न अर्थात शनि ग्रह सिंह राशी में स्थित है. यदि सूर्य सही प्रकार से आपकी राशी में स्थित नहीं होगा तो आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा. आप बीमारियों द्वारा तकलीफें उठाएंगे, आपको अपने भाई–बंधुओ, संतान, पत्नी पर खाली रक्कम खर्च करनी पड़ेगी. आपको अपने कर्मचारियों या नौकर आदि से धोखा मिल सकता है, जिससे आपको कठिनाईयां उठानी पड़ सकती हैं. वैसे तो आप सज्जन और भले व्यक्ति होंगे. मगर आपमें वीरता और साहस का अभाव होगा. समय आनेपर आप अपनी बहादुरी साबित नहीं कर पाएगे. आपको ऐंठन या फिर ऑखो की कोई बीमारी हो सकती है. हो सकता है कि आप लड़ाई–झगड़ो में उलझ जाएं या फिर किसी लंबे समय तथा चलने वाले मुकदमे में आपको परेशानियां उठानी पड़ जाएं.

चन्द्र

आपकी राशी में चन्द्रमा वृष लग्न में है. सो आपकी जन्मराशी वृष है. आपकी मानसिक अवस्था तथा कुछ अन्य गुण इस संसारी, फलदायक एवं स्थायी साईन द्वारा संचालित होंगे. कुछ हद तक इस राशी का स्वामी वीनस है.
वृषभ राशी में चन्द्रमा होने से यह आपके जीवन की कई घटनाओं को अतिशुभ मोड़ देगा. आपको विंडी या कफ संबंधी रोग हो सकते हैं और शायद रिश्तेदारों से भी अनबन बनी रहेगी. आपके योग का उजला पहलू भी है. हो सकता है कि आप विदेश में घर–गृहस्थी जमा लें. या फिर देश में ही किसी दूर–दराज़ के स्थान पर रहकर कार्य करें. जो भी हो, आप अपनी इच्छानुसार जीवन यापन करेंगे. आपको यारी मान–सम्मान व लाभ मिलेगा. समाज में आपको आदर मिलेगा. लोग आपको पसंद करेंगे पर विपरीत सेक्स से आप हमेशा दबे से रहेंगे.

राहु

आपकी कुंडली में राहु, सिंह राशी में मौजूद है. अगर सूर्य मज़बूती से स्थित है तो आप एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के मालिक बनेंगे. आपको अधिकारियों और सरकार द्वारा बहुत से लाभ प्राप्त होंगे. अगर मरक्यूरी या वीनस या मार्स अपने घर में है तो इससे आप खुशहाल और भाग्यशाली बनेंगे. अगर आपका लग्न कुंभ है तो आपको अपनी पत्नी की सेहत पर विशेष ध्यान देने की ज़रूरत होगी. अगर राहु, माघ नक्षत्र में स्थित है. (और केतू शतभिषा नक्षत्र में स्थित है) तो आपकी किसी दुर्घटना से पीड़ित होने की संभावना है.

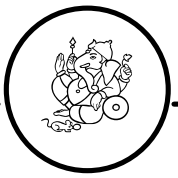

केतु

आपकी कुंडली में केतू, कुंभ राशी में स्थित है. अगर सैटर्न सही ढंग से स्थित है, तो यह आपको एक प्रभावशाली व्यक्तित्व देगा और आपको सरकारी ऑथोरीटी से बहुत से लाभ प्राप्त होंगे. यदि मरक्यूरी या वीनस या मार्स अपने स्वयं के घर में है तो इससे आप भाग्यशाली और सुखी बनेंगे. अगर आपका लग्न कुंभ है और सूर्य शुभ ग्रह के समागम में नहीं है और न प्रभाव में है तो आपकी पत्नी की सेहत पर शायद ध्यान देने की जरूरत पड़ेगी. इसके साथ आपके अपनी पत्नी के साथ कुछ मतभेद भी होंगे. अगर केतू, शतभिषा नक्षत्र में स्थित है. (इस बीच राहु, मेघा नक्षत्र में मौजूद है) तो आपको किसी अभाग्यशाली दुर्घटना से ग्रस्त होने का खतरा रहेगा.

इन्द्र

आपकी कुंडली में यूरेनस, तुला राशी में मौजूद है. आप दिल के आशिक–मिजाज़ बनेंगे. इसके बावजूद आपके अंदर अपने विचारों और अपनी हरकतों के बीच संतुलन बनाए रखने की अलौकिक योग्यता होगी. आप लोगों को चुंबकीय शक्ति से अपनी ओर खींचने में कामयाब होंगे. आप गठबंधन अथवा संघ आदि शीघ्र ही बना लेंगे. हालांकि आप जल्द ही रिश्तों को बचाने में अपनी दिलचस्पी खो बैठेंगे और फिर आपकी रुचि नए ताल्लुकात बनाने में पैदा हो जाएगी. आपको घर से बाहर आनंद कि अनुभूती होगी और जब आप घर पर होंगे तो आपको पड़ोसी के घर कि घास हरी दिखाई देगी.

वरुण

आपकी कुंडली में नेपचून वृश्चिक राशी में मौजूद है. अगर नेपचून, ज्यूपीटर या वीनस के समागम में है या प्रभाव में है तो आपकी छठी इन्द्रीय (या साईकिक योग्यता) सक्रिय बनेगी और आपमें दैविक योग्यता होगी. आप भविष्य के बारे में जान लेने में सक्षम होंगे. अगर नेपचून किसी अशुभ ग्रह से पीड़ित है तो आपके नाक–नक्श भद्दे होंगे. साथ ही आपकी काम भावनायें भी तीव्र होंगी.

रुद्र

आपकी कुंडली में प्लुटो, तुला राशी में मौजूद है. यह एक भाग्यशाली स्थिती है. इससे आप सहारा देनेवाले बनेंगे, अच्छे स्वभाव वाले एक संतुलित इंसान बनेंगे. आप किसी भी चीज का निर्णय न्यायपूर्ण तरीके से करने में सक्षम होंगे तथ आप हमेशा अन्य लोगों की सहायता करने के तत्पर रहेंगे, आपके ये गुण लोगों में आपको अलग मान–सम्मान दिलाएंगे. आपमें जनता और समाजसेवा में भाग लेने की दिलचस्पी काफी कुछ हो सकती है. आपके इस कार्यों में आपकी पत्नि न सिर्फ आपको सहयोग करेंगे बल्कि स्वयं में सक्रिय रूप से आपकी सहायता करेंगी.

भाव फल

लग्नपति

आपकी कुंडली में लग्न स्वामी आठवें घर में स्थित है जिसे आयुष का घर भी कहा जाता है. इसके अलावा यह पैतृक संपत्ति को भी शासित करता है. जहां तक महिलाओं का सवाल है तो उनके विषय में यह शुभ विवाह या मंगल पर शासन करता है अगर यह घर किसी तरह से पीड़ित है तो इससे जो परिणाम प्राप्त होंगे, वे कुछ ऐसे होंगे–अंधेरा, गंदगी, अशुद्धता, अफवाहें, अपमान धोखा, हार आदि. अगर आपकी कुंडली में कोई बेहतर और आशाजनक प्रभाव उत्पन्न नहीं होता है तो आपको एक या उससे ज़्यादा कारणों से कष्ट झेलने पडेगे. अगर आपका लग्न मेष, तुला, या धनु है तो आप आठवें घर के कुप्रभावों से छुटकारा पा सकते है तब आप आठवें घर के विषय में भाग्यशाली साबित होंगे क्योंकि उस दशा में आपका लग्नस्वामी अपने घर में स्थित होगा या फिर शक्तिशाली हो जाएगा. इससे शुभ योग बनेगा और इससे आप पैतृक संपत्तिादि के विषयों में भाग्यशाली बनेंगे और आपको किसी आर्थिक संस्थान से भारी मात्रा में लोन प्राप्त होगा वरना यह स्थिती कोई खास अनुकूल नहीं है अगर मार्स या केतू भी आठवें घर पर लग्नस्वामी के साथ स्थित है तो कष्टों अभाग्यकारी दुर्घटनाओं और सर्जिकल ऑपरेशन वगैरह से दो–चार होने की संभावनायें प्रबल हो जाएगी. इसके अलावा आपको गुंडे–बदमाशों का भी भय बना रहेगा. आपको किसी भी कीमत पर स्वयं को किसी अभियोग या मुकदमे आदि से बचाने का प्रयास करना चाहिए. अगर कोई प्राकृतिक शुभ ग्रह स्थित है या प्रभाव में है तो हालात में काफी सुधार हो सकते है.

द्वितीय भाव

आपकी कुंडली में द्वितीय स्वामी आठवें घर में स्थित है जो की आयुष्य का गृह कहलाता है. यह एक अच्छी दशा है क्योंकि द्वितीय स्वामी स्वयं के घर पर प्रभाव दे रहा है और इसलिए आमदनी का ज़रिया इसके तौर पर बढ़िया रहेगा. यह स्थिती छात्रवृत्ती से संबंधित शिक्षा के विषय में भी अनुकूल है. आप पैतृक संपत्ति दहेज प्राप्ती या वैवाहिक संबंधो से होनेवाले फायदों के विषय में भाग्यशाली बनेंगे. या फिर हो सकता है आप अपने भागीदार से लाभ होगा. आप अपने कार्य तथा आर्थिक संस्थान से मिलनेवाले बड़ी रकम आदि के विषय में भी आप भाग्यशाली बनेंगे. फिर भी यह स्थिती आपके कार्यक्षेत्र के अंदर बिना उम्मीद के अचानक बदलाव भी ला सकती है. इसके अलावा आपको अपने जीवन में कुछ समय के लिए फंड आदि की रुकावट देखनी पड़ेगी शायद यह किसी अभियोग का परिणाम होगा. अपने किसी रिश्तेदार के साथ आपके रिश्तों में खटास आ सकती है. यदि प्राकृतिक अशुभ ग्रह भी आपके द्वितीय स्वामी के साथ स्थित है या प्रभाव दे रहा है तो आपको किसी व्यापार में बिना सोचे–समझे धन लगाने के कारण नुक्सान उठाना पड़ेगा अगर प्राकृतिक अशुभ ग्रह राहु या सैटर्न के साथ है तो दशा और भी बुरी होगी

तृतीय भाव

आपकी कुंडली में तीसरा स्वामी सांतवे घर में स्थित है जो कि कलात्र (पति का पत्नी) का घर या गृह कहलाता है. आपका स्वभाव कुछ ज़्यादा ही उग्र किस्म का हो सकता है और विपरीत लिंग के सदस्यों की संगत के प्रति आपके मन में गहरी इच्छा रहेगी. आपकी पत्नी शायद आपके किसी रिश्तेदार की रिश्तेदार होगी या फिर आपके किसी जान पहचान के पड़ोसी वगैरह से संबंधित होगी. अगर कोई प्राकृतिक शुभ ग्रह सांतवे घर में स्थित है या प्रभाव दे रहा है तो आप छोटे भाई–बंधु से बहुत सहायता प्राप्त करेंगे. अगर योग के अंदर सांतवा स्वामी भी भली प्रकार स्थित है तब शायद आप अपने छोटे भाई वगैरह के साथ भागीदारी में कोई व्यापार चलायेंगे या फिर अपने किसी पड़ोस में रहनेवाले जान–पहचान के जन के साथ भागीदारी में कोई कार्य करेंगे. यदि प्राकृतिक शुभ ग्रह तीसरे घर में स्थित है या प्रभाव दे रहा है, तब आप शायद छपाई के व्यापार में जायेंगे और आपकी अपनी छपाई मशीन होगी. मगर यदि प्रकृतिक अशुभ ग्रह सांतवे घर में स्थित है या प्रभाव दे रहा है तो आपके छोटे सहोदर शायद आपके लिए ज़्यादा मददगार साबित नहीं होंगे. अगर योग में सांतवां स्वामी भी भली प्रकार स्थित नहीं है तो शायद आपके अपने भागीदारों के साथ झगड़े होंगे और आपको अपने रिश्तेदारों और पडोसियों का विरोध सहना पड़ेगा. यदि आपका लग्न मकर है तो तीसरा स्वामी ज्यूपीटर सांतवे घर में शक्तिशाली हो जाएगा और लग्न को प्रभाव देगा. तब आपका लग्न तीसरा गृह और ग्यारहवां गृह, आपको धनवान बना देगा.

चतुर्थ भाव

आपकी कुंडली में चतूर्थ स्वामी लग्न में स्थित है, जो कि तनु का घर कहलाता है. यह चतुर्थ स्वामी के लिए उपयुक्त स्थिती है और आप बहुत से विषयों में भाग्यशाली बनेंगे. आपके शौक सक्रिय होंगे आप अच्छी शिक्षा प्राप्त करेंगे, आपके पास मानसिक शांति होगी और अपने घर–परिवार में आप सुख भोगेंगे. आप अपने वतन या मुल्क में (वह जगह जहां आपका जन्म हुआ होगा और जहां आपकी परवरिश हुई होगी) अपने लिए एक सुरक्षित स्थान बना लेंगे. और शायद आपको दूर देशों की यात्रा करना ज़्यादा पसंद नहीं आएगा. यदि आपका लग्न तुला या मकर में से कोई एक है, तब आप बहुत ज़्यादा भाग्यशाली बन जायेंगे क्योंकि उस दशा के अंदर लग्न में स्थित चतूर्थ स्वामी, (जो कि शक्तिमान बन जाएगा) आपको चारों तरफ समृद्धि ही समृद्धि देगा. आपका धन और आपकी भौतिक सुविधायें बढ़ती जायेंगी. यह स्थिती आपके मन में पालतू जानवरों के लिए प्रेम और पसंद उत्पन्न करेगी और आप अपना ज़्यादा से ज़्यादा समय अपने निवास–स्थान पर बिताना पसंद करेंगे. शायद आप अपनी माताजी के ज़्यादा करीब बने रहेंगे. यदि चतूर्थ स्वामी या वीनस भली प्रकार स्थित है तब आपके पास आकर्षक वाहन होंगे और आप उन्हें चलाने में महानतम आनंद प्राप्त करेंगे. आपके सांतवे घर से चौथा घर दसवां हो जाएगा, चतूर्थ स्वामी सांतवे को प्रभाव देगा जिससे यह निश्चिंत है कि आपकी पत्नी अपने कार्य क्षेत्र में बहुत ज़्यादा

सफल होगी वह या तो एक प्रोफेशनल इंसान होगा या फिर कोई अच्छा व्यापार चला रही होगी यदि आपका लग्न मिथुन या कन्या या धनु है या मीन है तब चतूर्थ स्वामी दिक–बल पर अधिकार कर लेगा या फिर निर्देशित शक्ति से आपको सुख और समृध्द बना देगा.

पंचम भाव

आपकी कुंडली में पांचवा स्वामी बारहवें घर में स्थित है. इसे व्ययगृह कहते है. अगर आपका लग्न कन्या है तो आप बहुत भाग्यशाली बन जायेंगे क्योंकि आपका पांचवा स्वामी जो है वह छठा स्वामी भी बन जायेगा और बाहरवें घर में स्थित होने की वजह से इससे विपरीत राज योग बनेगा. इससे आप कई विषयों में उपयुक्त परिणामों का आनंद लेंगे. अगर ये संयोग नहीं हुआ तो यह स्थिती बहुत ज़्यादा उचित नहीं है. यदि मरक्यूरी भली प्रकार से जमा नहीं है तो शायद आप अपनी कार्य स्वतंत्रता खो देंगे. यदि ज्युपीटर गलत स्थान पर है तो आप अपने लिए फलदायक नौकरी सुरक्षित करने योग्य नहीं बनेंगे. आप अपनी संतानो की तरफ से चिंतित और दुखी हो सकते हैं. यदि प्राकृतिक अशुभ ग्रह पांचवे घर में है या प्रभाव दे रहा है तब आपको प्रसव में कष्ट हो सकता है आपको हर इनवेस्टमेंट और किसी भी व्यापार में धन आदी लगाने से बचना चाहिए क्योंकि आपके सामने भारी नुक्सान के खतरे हैं यदि बारहवां स्वामी भी गलत स्थिती में है तब नुक्सान बढ़ सकते हैं. आपको दूर देश स्थान या विदेश से ज़्यादा लाभ नहीं मिल सकता है यह बात आपको हमेशा याद रखनी चाहिए यदि वीनस भली प्रकार स्थित नहीं है तब जोखिम भरे प्रेम संबंध आपको तबाह कर सकते है. अगर प्राकृतिक अशुभ ग्रह पांचवे घर या बारहवें घर में से किसी एक को प्रभावित कर रहा है, तब आप लोक निन्दा और बदनामी के शिकार बन सकते हैं पर यदि प्राकृतिक शुभ ग्रह बाहरवें घर में स्थित है या प्रभाव में है तब हालात में काफी सुधार आयेंगे.

षष्ठी भाव

आपकी कुंडली में छठा स्वामी लग्न में स्थित है. इसे तनु गृह कहते है. यदि आपका लग्न कर्क है तब तीसरा स्वामी ज्यूपीटर शक्ति प्राप्त कर लेगा (लग्न के अंदर) क्योंकि ज्यूपीटर नवां स्वामी भी होगा. इससे आप कुलीन व्यक्ति बनेंगे, आपका स्वास्थ बहुत अच्छा रहेगा. आप अक्सर प्रशंसायोग्य कार्यों में व्यस्त रहेंगे और बहुत–बहुत भाग्यशाली बनेंगे. यदि आपका लग्न वृषभ या वृश्चिक में से कोई एक है तब लग्न में मौजूद छठा स्वामी स्वयं की राशी में स्थित होगा. तब आप हमेशा खुश रहेंगे. इसके साथ ही आप बीमारियों से भी मुक्त होंगे. आपको शत्रुओं द्वारा दिये गये कष्टों को नहीं उठाना पड़ेगा और आप सभी प्रकार कि प्रतियोगिताओं और प्रतियोगी परिक्षाओं में सफलता हासिल करेंगे. अगर आपका लग्न सिंह है तब आपका छठा स्वामी सांतवा स्वामी भी बन जाएगा. इससे आपका स्वभाव झगड़ालू बन सकता है और आप अपने रिश्तेदारों तक का विरोध करेंगे. अगर आपका लग्न मेष या तुला है तब आपका छठा स्वामी आपका तीसरा स्वामी भी बन जाएगा, इस योग से आपको

परिवर्तनीय स्वभाव मिलेगा और आपका यात्राओं से विशेष लगाव होगा. यदि आपका लग्न मिथुन या धनु है तब छठा स्वामी काफी कुछ ग्यारहवें स्वामी जैसा बरताव करेगा, इससे आपको कई कारणों से आमदनी व लाभ प्राप्त होंगे और आप हमेशा अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के बीच घिरे रहेंगे. दूसरे विषयों में यह स्थिती ज़्यादा उपयुक्त नहीं बनेगी क्योंकि तब आपको बीमारियों से पीड़ित होना पड़ेगा और शत्रुओं द्वारा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा.

सप्तम भाव

आपकी कुंडली में सातवां स्वामी, पांचवें घर में स्थित है. इसे पूर्व–पुण्यगृह या पूर्व –पुण्य का घर कहते हैं. जैसा कि पांचवा घर कार्य–स्वलंबता और गंभीर इनवेंस्टमेंट का घर है. जबकि सातवां घर उद्योग और निजीव्यापार का प्रतीक है, इसिलिए अगर आपका सातवां स्वामी भली प्रकार स्थित है, तब आपमें व्यापारिक खतरे उठाने का साहस आयेगा और आप स्वयं का कोई निजी व्यापार आरंभ करेंगे. जो कि काफी हद तक फलेगा–फूलेगा. समृद्ध होगा, यदि आपकी कुंडली में कोई प्राकृतिक शुभ ग्रह स्थित है. जैसा कि पांचवा घर प्रेम–संबंधों का गृह है और सातवां घर विवाह का घर भी है, इससे आपको किसी से दीवानगी की हद तक प्रेम हो जायेगा और आपके मन में अपने प्रिय से विवाह करने की गहरी इच्छा जागृत होगी. अगर ज्यूपीटर पांचवें घर या सातवें घर में है या प्रभाव दे रहा है, तब आपका विवाह समाज द्वारा तय किया गया बनेग पर आपकी पत्नी/पति आपकी पसंद की होगी/होंगे/जिन्हें आपने स्वयं चुना होगा. ऐसी अवस्था में प्रेम–विवाह तब होंगे, जब यदि केवल प्राकृतिक अशुभ ग्रह इन दोनों घरों पर प्रभाव दे रहा हो. आप भाग्यशाली बनेंगे, अगर आपका लग्न मकर या वृश्चिक है. क्योंकि पांचवे घर में सातवां स्वामी शक्ति हासिल कर लेगा. आपकी पत्नी/पति धनवान और उच्च परिवार से होंगे और आपको प्रेम करनेवाले/वाली तथा आपकी परवाह करनेवाले/वाली बनेंगे/ आपको योग्य संतान मिलेगी. अगर सातवां स्वामी भली तरह स्थित है या यदि वीनस किसी प्राकृतिक शुभ ग्रह के संयोग में है या प्रभाव में है तब आप अपनी पत्नी/पति के विषय में भाग्यशाली बनेंगे और यदि पांचवा घर शुभ ग्रहों से प्रभावित है तब आपकी संतान कर्तव्यनिष्ठा बनेगी.

अष्ठम भाव

आपकी कुंडली में आठवां स्वामी लग्न में मौजूद है, जिसे तनुगृह या तनु (शरीर) का घर कहते है. अगर आपका लग्न मेष या तुला में से कोई एक है तब ऐसी स्थिती में आपका आठवां स्वामी जो है वह स्वयं के घर में मौजूद लग्न स्वामी का सा प्रभाव देगा. ऐसे मामलों में आप सामान्यतः सारे विषयो में भाग्यशाली बनेंगे और आपकी आयु खूब लंबी बनेगी. मगर अन्य सभी मामलों में यह स्थिती उत्तम नहीं है. अगर आठवां स्वामी किसी कुदरती अशुभ ग्रह के संयोग में है या असर में है या फिर तीसरा स्वामी जो है, वह आठवें स्वामी से ज़्यादा शक्तिशाली है और सैटर्न भी सही ढंग से स्थित नहीं है, तब आयु और वैवाहिक कुशलता की तरफ से विशेष तौर पर

सावधानी बरतने की जरूरत है. इसके बावजूद भी इस स्थिती से आपके किसी दुर्घटना आदी का शिकार बनने की संभावनायें लगभग निश्चित सी है या फिर आपके साथ कोई अन्य कष्टकारी गंभीर दुर्घटना घट सकती है. इस हालात में तब सुधार होंगे, यदि प्राकृतिक शुभ ग्रह आपके लग्न में स्थित है या प्रभाव दे रहा है या यदि आपका लग्न कर्क है क्योंकि तब आपका आठवां स्वामी जो है वह आपका सातवां स्वामी भी बन जाएगा. मगर यदि इस योग में लग्न स्वामी भी आठवें घर में मौजूद है, तब किसी दुखद दुर्घटना का भय बना रहेगा.

नवम भाव

आपनी कुंडली में नवां स्वामी जो है, वह लग्न में मौजूद है. इसे तनुग्रह या तनु का घर कहते है. क्योंकि नवां घर भाग्य का संकेत देता है अतः आप बहुत भाग्यशाली बनेंगे. यदि आपका लग्न वृषभ है तब आपका जो नवां स्वामी है वह आपका दसवां स्वामी भी बन जायेगा और इससे आप पर जीवनभर भौतिक सुखों की बरसात होती रहेगी. मगर यदि आपका लग्न वृश्चिक है तब आपको बिल्कुल विपरीत परिणाम मिलेगी. क्योंकि तब आपका नवां स्वामी कमज़ोर बन जाएगा. शायद आपके पिता किसी दूर स्थान या विदेश में रहेंगे. वरना उनके कार्यक्षेत्र या कुछ संबंध सेवा के साथ जुड़ा होगा. शायद आपका जन्म किसी दूर स्थान पर या विदेश में हुआ होगा या फिर बचपन में ही आप किसी ऐसे स्थान पर लंबे अरसे के लिए जायेंगे और वहीं उच्च्व शिक्षा प्राप्त करेंगे. अगर अपका लग्न स्वामी या आपका पांचवा स्वामी या आपका दसवां स्वामी भले ढंग से स्थित है या यदि इन घरो में कोई कुदरती शुभ ग्रह स्थित है या प्रभाव दे रहा है तब पक्के तौर पर अपने जीवन में आप ऊंचा मुकाम हासिल करेंगे. यदि आप लग्न वृश्चिक या मीन है और यदि आपका लग्न स्वामी पांचवें घर में स्थित है तब क्योंकि आपका लग्न स्वामी शक्ती प्राप्त कर लेगा और इससे आप झुकाव धर्म के प्रति ज़्यादा बढ़ जाएगा. आप साधु संतो जैसा जीवन बिताना शुरू कर देंगे और सांस्कृतिक या धार्मिक समारोहों के कारण संसार में कई बार घूमेंगे.

अगर सूर्य या मार्स दसवें घर में स्थित है तब आपका यश चारो ओर फैलेगा और आपको राज सम्मान प्राप्त होगा. यदि सैटर्न या राहु आपके सातवें घर में मौजूद है, तब अपकी गूढ़ नीतियों के कारण आप प्रसिद्ध बन जायेंगे.

दशम भाव

आपकी कुंडली में दसवां स्वामी बारहवें घर में है. इसे व्ययगृह कहते हैं. यदि आपका लग्न कुंभ है तो आपका दसवां स्वामी बारहवें घर में शक्ति प्राप्त कर लेगा और इससे आप अनुकूल परिणामों का आनंद लेंगे. आप अपने छोटे भाई बहनों के विषय में भाग्यशाली बनेंगे और शायद आपके पिताजी ने अपना भाग्य विदेश में रहकर चमकाया होगा. शायद आपके कैरियर का कुछ संपर्क जेल, पागलखाना, अस्पताल, जुते–चप्पल, बिस्तर की वस्तुएं जैसे चादर– तकिए आदी से बनेगा या फिर शायद

आप किसी गुप्तचरीय सेवा में सक्रिय बनेंगे. यदि मरक्यूरी भली प्रकार स्थित है और यदि जूपीटर या मार्स आपके आठवें घर या इसके स्वामी पर असर दे रहा है तो शायद आप ज्योतिषी बनेंगे. यदि आपका लग्न वृषभ है तो बारहवें घर में आपका लग्न स्वामी दुर्बलता प्राप्त कर लेगा, इससे शायद आपको कोई ऐसी नौकरी मिलेगी जिसमें बहुत से तबादले होंगे या फिर आपकी नौकरीयों में कुछ बदलाव आयेंगे. प्रभावों में और वृद्धी होगी यदि दसवां स्वामी किसी अस्थिर राशी में है (मेष या कर्क या मकर या तुला) शायद आपको किसी दूर के और असुविधाजनक स्थान पर लंबे अरसे के लिए जाना पड़ जाएगा. इन प्रभावों में और भी बढ़त होगी यदि बारहवें घर में कोई अशुभ ग्रह मौजूद है या उसे असर दे रहा है. यह स्थिती लेखन, संपादन, अनुवाद जैसे कार्यक्षेत्रों के लिए उपयुक्त है असर में और वृद्धी होगी यदि मरक्यूरी या आपका तीसरा स्वामी भली प्रकार मौजूद है या तीसरे घर में कोई कुदरती शुभ स्थित है या प्रभाव दे रहा है.

एकादशम भाव

आपकी कुंडली में ग्यारहवां स्वामी पहले घर में है. इसे तनुगृह कहते है. यदि आपका लग्न मेष है. तो आपका ग्यारहवां स्वामी जो कि आपका दसवां स्वामी भी है वह आपके लग्न में कमज़ोर बन जाएगा. अगर आपका लग्न–स्वामी भली प्रकार स्थित नहीं है या कोई कुदरती शुभ ग्रह आपके लग्न में या ग्यारहवें भाव में मौजूद नहीं है या दोनों में से एक को प्रभाव नहीं दे रहा है तब शायद आप अपने कार्य और अपनी आमदनी के विषय में ज़्यादा भाग्यशाली नहीं होंगे. इसके अलावा आपका ग्यारहवां स्वामी शनि चूंकि एक प्राकृतिक अशुभ ग्रह है और बाधक है अतः यह आपकी सेहत से जुड़ी समस्याओं को बढ़ावा दे सकता है. सबसे ज़्यादा भय आपके सिर को होगा. वरना यह स्थिती अपने कार्य से आमदनी इकट्ठी होने के विषय में अति आम है. यदि लग्न स्वामी आपके ग्यारहवें घर में मौजूद है तो इससे मंगलकारी धन योग का निर्माण होगा और आपके पास ढेर सारी धन–दौलत होगी. अच्छे योग में और भी वृद्धी होगी अगर आपका लग्न वृषभ या कर्क है. तब इस स्थिती में आपका जो लग्न स्वामी है वह ग्यारहवें घर में बल प्राप्त कर लेगा. इससे आप अपने सच्चे मित्रों और जान पहचानवालों के विषय में बहुत भाग्यशाली बनेंगे. आपके दोस्त हमेशा आपका साथ देने के लिए तत्पर बने रहेंगे और आपका उठना बैठना कुलीन व रईस लोगों के साथ बनेगा. यदि आपका लग्न मेष या मिथुन या मीन या मकर या तुला या सिंह है तब आपका ग्यारहवां स्वामी एक कुदरती अशुभ ग्रह बन जायेगा इससे आपको आमदनी तो बहुत बढ़िया होगा पर आपकी आमदनी में उतार चढ़ाव आते रहेंगे. मगर यदि आपका लग्न धनु या कन्या या वृषभ या कर्क है या फिर वृश्चिक या मीन है तब आपका ग्यारहवां स्वामी एक कुदरती शुभ ग्रह होगा और आपकी आमदनी हमेशा स्थिरता से और धीरे–धीरे बढ़ती ही चली जाएगी.

द्वादशम भाव

आपकी कुंडली में बारहवां स्वामी सातवें घर में विराजमान है. इसे कलात्र गृह कहते

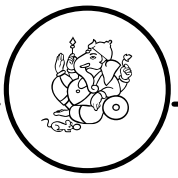

हैं. यदि आपका लग्न मकर है तो आपका बारहवां स्वामी सातवें घर में शक्ती हासिल कर लेगा यह स्थिति आपको बहुत सुखी बनाएगी और आप विदेशी व्यापार के जरिए उत्तम आमदनी कमायेंगे. अगर आपका लग्न कुंभ है तब आपका सातवां स्वामी जो है वह आपका लग्न स्वामी भी बन जायेगा इससे आपको सामान्य समृद्धी हासिल होगी और शायद आप व्यापार में अपना बेहतर योगदान दे सकेंगे. यदि आपका लग्न वृषभ या वृश्चिक है तब आपका बारहवां स्वामी जो है वह आपका सातवां स्वामी भी बन जायेगा और तब क्योंकि यह स्वयं के घर में स्थित होगा अतः यह मंगलकारी पांच महापुरूष योग के फलकारी परिणाम देगा. इससे आप अपने जीवन में अच्छी तरह से स्थापित हो जायेंगे. यदि आपका लग्न सिंह है तब शायद आपको अपने विवाह से सुख हासिल नहीं होंगे और शायद आपके वैवाहिक रिश्ते ही आपके प्रतिरोधी बन जायेंगे. जब तक शनि भले ढंग से स्थित नहीं है. यह स्थिती से इस बात के भी संकेत मिलते है कि आप लंबे अरसे के लिए अस्पताल में रहेंगे मगर आपको हर संभावित उत्तम इलाज मिलेगा. अन्य मामलों में यह स्थिती बहुत ज़्यादा अनुकूल नहीं है क्योंकि शायद आपका जीवसाथी बहुत बीमर पड़ जायेगा या फिर आपसे दूर हो जाएगा. यदि आपके सातवें घर में कुदरती शुभ ग्रह मौजूद है या इस पर अपना प्रभाव दे रहा है तब अपको नुक्सान होंगे और शायद आप अपना कारोबार ही खो बैठेंगे. यदि ऐसा ही कोई अशुभ ग्रह आपके बारहवें घर में मौजूद है या अपना असर दे रहा है तब आप दूर स्थानों की निरर्थक यात्राएं करेंगे. मगर यदि यह किसी कुदरती शुभ ग्रह द्वारा प्रभावित हो रहा है तब आपकी स्थिती में कुछ सुधार आयेंगे और किसी निजी संस्था में नौकरी करके आप अपनी रोजी–रोटी कमायेंगे. क्योंकि सातवां घर पांचवें से तीसरा पड़ता है और आपकी किसी एक संतान को शायद कोई दुखद घटना से गुजरना होगा.

भावों में ग्रहों की स्थिती का फल

रवि

आपके लग्न में सूर्य स्थित है. इससे आप स्पष्टवादी, फ्रेंक और उपकारी स्वभाव वाले बनेंगे. आप आत्मनिर्भर और स्थिर होंगे. आपको प्रसिद्धि और दिखावे से प्रेम होगा और आप विपक्ष गुटों और दलों को घृणा की नजर से देखेंगे. आपके मॉटिव ऊंचे होंगे और आपको वाह–वाही मिलेगी. आप अपने परिश्रम में सफल रहेंगे तथा लोगों आपके साथ बहुत सम्मानजनक बरताव करेंगे. आप धार्मिक होंगे और छोटे–छोटे बच्चों से आपका खास लगाव होगा. आप अपने पिताजी के ज़्यादा करीब होंगे तथा आप वरिष्ठ लोगों से या अधिकारियों से विशेष सहायता प्राप्त करेंगे और आपको सरकार से या फिर राजनीतिक कारणों से भी बहुत से लाभ मिलेंगे. अगर आप लग्न मेष या सिंह है तो सूर्य अपने घर में काफी शक्तिशाली हो जाएगा. इससे आप योग्य संतान के विषय में काफी भाग्यशाली बन जायेंगे. आपकी पहली संतान लडका यानि

बेटा होगा, जो कि आपके परिवार के लिए गर्व का कारण बनेगा. अगर आपका लग्न तुला है तो सूर्य कमज़ोर हो जाएगा इससे आप कोई पुश्तैनि बीमारी से पीड़ित हो सकते है, वरिष्ठ अधिकारियों या सरकारी अधिकारियों आदि के साथ आपकी कोई समस्या हो सकती है और आपको मुकदमे वगैरह का सामना करना पड़ सकता है. अगर सूर्य, राहु या सैटर्न के समागम में है या सैटर्न द्वारा प्रभावित हो रहा है तो आपको अपनी प्रसिद्धि खोने का भी खतरा रहेगा.

बुध

आपके लग्न में मरक्यूरी यानि बुध ग्रह स्थित है. इससे आप आराम न करनेवाले, बैचेन और न रुकनेवाले कौतुहल, जिज्ञासू स्वभाव के मालिक बनेंगे. आप हमेशा नई–नई सूचनाओ के विषय में जानने के लिए जागरुक रहेंगे. आपके पास वाकपटुता का उपहार होगा और आप स्वभाव विनोदी बनेगा. आप अपने जीवन में बहुत सी यात्रायें करेंगे तथा शायद आप कोई ऐसा काम करेंगे, जिसमें लेखन कार्य काफी ज़्यादा होगा. शायद आपको किसी किस्म के साहित्य का भी शौक होगा. अगर मरक्यूरी अपने घर में स्थित है या शक्तिशाली है तो आप अपनी कलम के जादू द्वारा खुद को प्रसिद्ध करेंगे. गर तब आपका लग्न मिथुन या कन्या है तो आप अति भाग्यशाली बनेंगे क्योंकि तब यह शक्तिशाली होगा या स्वयं के घर में होगा. इससे आपको पांच महापुरूष योग के लाभदायक परिणाम मिलेंगे. यदि आपका लग्न मीन है तब कमज़ोर मरक्यूरि आपके स्वास्थ में समस्याएं पैदा कर सकता है. या फिर आप नर्वस डिसऑर्डर का शिकार हो जायेंगे. इसके अलावा शायद आपको अपने पानी में मिल गए व्यापार को चलाने के लिए भी काफी मेहनत करनी पड़ेगी. या फिर आपको किसी निजी संस्था में कोई विचित्र सा कार्य करना पड़ सकता है अगर ज्यूपीटर इसके साथ है या प्रभाव में है तो आप विद्वान, ज्ञानी, शिक्षित और बुद्धिमान बनेंगे. अगर वीनस साथ में है तो आपको कलात्मकता की ओर झुकाव रहेगा या फिर आपको कुछ विशेष गुण प्राप्त होंगे. अगर राहु साथ में है तो आपके विचार शायद उलझे से रहेंगे मगर यदि केतू साथ है तो आप शायद कम्प्यूटर शिक्षा प्राप्त करेंगे या फिर छोटे कार्यों में सौदेबाजी करके लाभ प्राप्त करेंगे.

शुक्र

क्योंकि वीनस आपके बारहवें घर में विराजमान है अतः यदि आपका सातवां स्वामी सही तरीके से स्थित है तो प्रेममय और बहुत ख्याल रखने वाला जीवनसाथी मिलेगा. अगर आपका लग्न मेष या मिथुन या वृश्चिक है तो आप उत्तम परिणामों का सुख लेंगे क्योंकि वीनस स्वयं के घर में रहेगा या बल हासिल कर लेगा. मगर यदि आपका लग्न तुला है तो शायद आपका व्यक्तित्व कमज़ोर सा बनेगा और आप ३५–३६ की उम्र तक आते–आते ही धनवान बनेंगे. अगर आपका लग्न वृषभ या मिथुन या तुला या वृश्च्क या धनु या मीन है तब आप मंगलकारी विपरीत राज योग के आनंददायक परिणामों से फलीभूत होंगे. तब आप किसी ध्यानशील कार्य द्वारा अचानक धनवान बन जायेंगे और शायद आपके मित्र और आपके रिश्तेदार आपकी

भूरी–भूरी प्रशंसा करेंगे. हालांकि आपने कुछ गुप्त शत्रु भी होंगे मगर आप उनपर विजय हासिल करने में समर्थ बनेंगे. अगर कोई कुदरती शुभ ग्रह इसके साथ है या प्रभाव दे रहा है तो घोड़े और दुधारू जानवर आपके पसंदीदा पशु होंगे. अगर कोई कुदरती अशुभ ग्रह इसके साथ है या इस पर अपना असर दे रहा है तब आपके गुप्त प्रेमसंबंध बनेंगे. इन संबंधों से जहां पुरूषों के मन में ईर्ष्या पेदा होगी वही महिलाओं में शत्रुता का कारण बनेगा. अगर वीनस के साथ कोई भी कुदरती शुभ ग्रह नहीं है तब आप अपनी पसंद अनुसार शांतिपूर्ण एकांतवास ले लेंगे.

मंगल

आपके लग्न में मार्स यानि मंगल ग्रह स्थित है. इससे आप बोल्ड और मुक्त स्वभाव के आत्म–निर्भर बनेंगे. आप कुछ गर्वीले बनेंगे या अहंकारी बनेंगे तथा आपको प्रतियोगिताएं और लड़ाई–झगड़े पसंद होंगे. आपको अकसर अपमानित होकर हार माननी पड़ सकती है तथा आपको असावधानि वश खतरे भी होंगे. आपके चेहरे और सिर पर निशान धब्बे आदि हो सकते है. इसके अलावा आपके शरीर पर जले, कटे, फफोले और धब्बे आदि होने की संभावना है़ अगर लग्न–स्वामी अपने घर में है या फिर शक्तिशाली है तो आप एक एक्टिव तथा व्याव्हारिक नज़रिये वाले इंसान बनेंगे. अगर मार्स किसी प्राकृतिक अशुभ ग्रह के समागम से या प्रभाव से पीड़ित है तो आप झगड़ालू या अहंकारी बनेंगे. अगर आपका लग्न मेष या वृश्चिक या मकर है तो आप बहुत भाग्यशाली बनेंगे. क्योंकि इस तरह से यह तो बहुत शक्तिशाली होगा या फिर स्वयं के घर में रहेगा और आप पंच महापुरूष योग के लाभ से आनन्दित होंगे. अगर आपका लग्न कर्क है तो कमज़ोर मार्स आपके सेहत में समस्याएं पैदा करेगा और आप अपने व्यापार में पीछे रह सकते हैं. मगर यदि चन्द्रमा भली प्रकार स्थित है या फिर प्राकृतिक शुभ ग्रह साथ में या प्रभाव में है तो आप अपने नौकरी या सेवा में भली प्रकार स्थिर रहेंगे. अगर चन्द्रमा इसके साथ है तो आप चन्द्र मंगल योग का आनन्द उठाएगे और बहुत धनी बन जायेंगे. अगर राहु या केतू इसके करीब हैं तो आपका मिजाज़ हिंसक किस्म का होगा और आपका वैवाहिक जीवन समय के थपेड़ो के साथ बढ़ता रहेगा.

गुरु

क्योंकि ज्यूपिटर आपके सातवें घर में मौजूद है, अतः इससे आप बहुत भाग्यशाली बनेंगे. क्योंकि प्राकृतिक शुभ ग्रहों का सबसे उत्तम ग्रह आपके लग्न पर ग्यारहवें घर पर और तीसरे घर पर प्रभाव देगा. आप अपने छोटे भाई–बहनों के विषय में भाग्यशाली बनेंगे और आपका/की जीवनसाथी धार्मिक कार्यों के प्रति सर्मपित होगा. आप भी ईमानदार और धार्मिक व्यक्ति बनेंगे. यदि आपकी कुंडली में कोई दोष नहीं है तब आप लंबी आयुवाले बनेंगे और आपका वैवाहिक जीवन स्थिर और सुखहाल रहेगा. जैसा कि ज्यूपीटर बच्चों की ओर कुदरती रूप से संकेत करता है, अतः आपको कर्तव्यनिष्ठ और योग्य संतान प्राप्त होगी. ज्यूपीटर चूंकि धन–दौलत का संकेतक भी है. ग्यारहवें घर पर इसका प्रभाव होने के कारण आपको अपने कार्य द्वारा

(जो शायद व्यापार हो सकता है) स्थिर और बिना रुकावट अच्छी–खासी आमदनी हासिल होगी. अगर आपका लग्न मिथुन या कन्या है तब आप पांच महापुरूष योग के फलदायक परिणामों का लुफ्त उठायेंगे. मगर यदि आपका लग्न कर्क है तब ज्यूपीटर सातवें घर में कमज़ोर बन जाएगा, तब आपको शायद व्यापार में घाटा उठाना पड़ेगा और आप किसी निजी संस्था में नौकरी करेंगे. इसके अलावा आपको कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा और आपका वैवाहिक जीवन दुखी बन जाएगा. यदि आपका लग्न सिंह है तब शायद आप उच्च रक्तचाप से ग्रस्त बनेंगे. यदि ज्युपीटर, मरक्यूरी के साथ है या इसे प्रभाव दे रहा है तब साहित्य ज्ञान में आपकी रुचि जागृत होगी. अगर यह राहू के नक्षत्र में स्थित है तब आपका नज़रिया परंपराओं सा रूढ़ीवादी नहीं बनेगा.

शनि

सैटर्न आपके आठवें घर में मौजूद है. इससे आपकी सेहत बहुत ज़्यादा उत्तम नहीं रहेगी और शायद आपका वैवाहिक जीवन भी शांतिमय या सुखमय नहीं बनेगा यदि सैटर्न बलशाली या स्वयं के घर में नहीं है. यदि आपका लग्न मिथुन या मीन या कर्क है तब आप अपने जीवन में अच्छी तरह सैटल हो जायेंगे क्योंकि आप लाभदायक विपरीत राजयोग का आनंद उठायेंगे. अगर अन्य प्राकृतिक अशुभ ग्रह इसके साथ स्थित नहीं है या इसपर असर नहीं दे रहा है तो सामान्यतः यह स्थिती लंबी आयु देती है. अगर सूर्य इसके साथ स्थित है तो आपके पिता की शारीरिक या मानसिक सेहत पर कुछ ध्यान देने की जरूरत आन पड़ेगी अगर सूर्य इसके बहुत ही करीब स्थित है तो आप किसी ऐसी व्याधि से पीड़ित होंगे जिसका प्रभाव क्षेत्र आपकी आंखे ओगी और शरीर से निकलनेवाले व्यर्थ पद्धर्थो में रुकावट के कारण आपको अपने जीवन में कुछ समय शरीर के हड्डीयां टुटने का खतरा होगा. यदि मार्स या राहु इसके साथ है या छठें गृह या सातवें गृह में से किसी एक में मौजूद है तब शायद आपका वैवाहिक जीवन ज़्यादा सुखी नहीं बनेगा और आपका जीवन साथी लंबे समय तक जीएगा. अगर ऐसा नहीं होगा, तब शायद वह आपको हमेशा के लिए छोड़ देगा और आपको उसके साथ मुकदमे लड़ने पड़ेंगे. किसी प्रकार से अगर वीनस या मरक्यूरी इसके साथ है तो दशा में सुधार आ सकता है. या फिर ज्यूपीटर इसे प्रभाव देगा तो भी योग उत्तम बनेंगे. अगर आपका लग्न कन्या है तब आप दुर्घटनावश किसी ऊंची जगह से गिरने के कारण बहुत से जख्म प्राप्त करेंगे और यदि मरक्यूरी भी भली प्रकार स्थित नहीं है तब वह जख्म आपके सिर या चेहरे पर होने की संभावनायें ज़्यादा है.

चन्द्र

चंद्रमा आपके पांचवे घर में स्थित है इससे आप बहुत से विषयों में भाग्यशाली बनेंगे. प्रभाव और भी ज़्यादा बेहतर होंगे अगर आपका चंद्रमा बढ़ता हुआ हो या यदि आपका लग्न मकर है. तब चंद्रमा शक्ति प्राप्त कर लेगा. या फिर यदि आपका लग्न मीन है तब चंद्रमा स्वयं के घर में रहेगा. आपका रूझान कलाक्षेत्र की तरफ हो

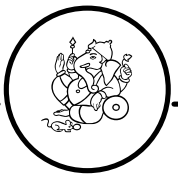

सकता है और आपकी कल्पानायें साकार होगी. यदि आपका लग्न कर्क है तब चंद्रमा दुर्बल हो जाएगा और नीच भंग प्राप्त कर लेंगा. आप जीवन में स्थापित और धनवान बनेंगे. मगर यदि मार्स या ज्यूपीटर भली प्रकार स्थित नहीं होते तो सिवाय अच्छी आर्थिक स्थिति के आप कुछ विषयों में भाग्यशाली नही बनेंगे. यदि मरक्यूरी भली प्रकार स्थित है तब आपको अच्छी शिक्षा प्राप्त होगी तथा सोच–विचारकर लगाए गए धन से खासा लाभ होगा. यदि ज्यूपीटर या वीनस चंद्रमा के साथ है या प्रभाव दे रहे है तब आप संतान के विषय निश्शंक रहे आप इस विषय में भाग्यशाली बनेंगे. यदि वह किसी प्राकृतिक अशुभ ग्रह के संपर्क में है तब परिणाम उल्टे होंगे.

राहु

राहु आपके आठवें घर में मौजूद है. इससे शायद आपको अचानक बिना पूर्वाभास के गंभीर समस्यायें देखनी पड़ेंगी और अगर वीनस या सातवां स्वामी भी आपकी कुंडली में भली प्रकार स्थित नहीं है, तब शायद आपका वैवाहिक जीवन ज़्यादा सुखी नहीं बन पायेगा. यदि ज्यूपीटर या वीनस इसे प्रभाव देंगे तो स्थिती में किसी तरह सुधार आयेंगे. अगर सूर्य इसके साथ स्थित है तो आपके पिता के शारिरिक तथा मानसिक स्वास्थ और कुशलता की तरफ ध्यान देने की जरूरत पड़ेगी. इसके अलावा शायद आपका स्वयं का स्वास्थ भी ज़्यादा बेहतर नहीं रहेगा. यदि चंद्रमा इसके साथ मौजूद है तब अपने जीवन में कुछ अरसे के लिए आप किसी हानिकारक व्याधि से पीड़ित हो सकते हैं. यदि मार्स या सैटर्न इसके साथ है, या छठें घर या सातवें घर में से किसी एक में मौजूद है तब शायद आपका वैवाहिक जीवन सुखी नहीं बनेगा और आपका जीवनसाथी लंबी आयुवाला नहीं होगा या हो सकता है वह आपको हमेशा के लिए छोड़ दे और आपको उसके साथ मुकदमे लड़ने पड़ें. अगर मार्स इसके साथ है या इसे प्रभाव दे रहा है तो आपका स्वभाव असावधान और दुःसाहसी बनेगा और यदि आपकी कुंडली में आठवां स्वामी भली प्रकार स्थित नहीं है तब शायद दुर्घटनावश आप आग या हथियार से घायल हो जायेंगे. यदि मरक्यूरी इसके साथ है या प्रभाव दे रहा है तब आपको गूढ़ विषयों में गहरी दिलचस्पी पैदा होगी और शायद आप इन विषयों जैसे हस्तरेखा विज्ञान, ज्योतिषी शास्त्र में कुछ महारत हासिल करेंगे. अगर वीनस इसके बिल्कुल करीब है तो आपके गुप्त अवैध संबंध शहर में चर्चा का विषय बन जायेंगे.

केतु

क्योंकि केतू आपके द्वितीय घर में स्थित है, इसलिए इससे शायद आप परिवार तथा धन आदि के विषय में बहुत ज़्यादा भाग्यशाली नहीं बनेंगे जब तक कि द्वितीय स्वामी भले स्वभाव का नहीं हो. यदि किसी प्रकार से ज्यूपीटर या वीनस इसके साथ में हो या इसे प्रभाव दे रहा हो तब स्थिती में उल्लेखनीय रूप से सुधार आएगा. इसी बीच यदि प्राकृतिक अशुभ ग्रह इसे प्रभावित करेंगे तो स्थिती बद से बदतर हो जाएगी. अगर केतु वृश्चिक राशी में स्थित है तो अच्छे परिणामों की आशा बनेगी. अगर यह वृषभ राशी में है या सैटर्न के साथ है या फिर तुला, कुंभ, मकर जैसे

राशियों के अलावा किसी भी अन्य राशी में है तो परिणाम विपरीत ही होंगे. यदि केतू, द्वितीय स्वामी के साथ है या फिर मार्स, द्वितीय स्वामी के साथ है या इसे प्रभावित कर रहा है तो अगर आप पुरूष है तो आप भारी मात्रा में धुम्रपान का सेवन करेंगे (यदि आपकी बिरादरी में धुम्रपान पर पाबंदी नहीं है) इसके अलावा आपके दांत कम उम्र में सड़ने शुरू हो सकते हैं. यदि मार्स इसके साथ है या प्रभाव दे रहा है तो शायद आपको लापरवाही में ली गई गलत दवाईयां, जहर, और आगजनी आदि से भय बना रहेगा. जब तक द्वितीय स्वामी भली प्रकार स्थिर नहीं होगा और कोई भी प्राकृतिक शुभ ग्रह इसके साथ नहीं होगा और न इसे प्रभाव देगा तब तक यह स्थिती वैवाहिक संबंधो में सुख–शांति के लिए अनुकूल नहीं है. यदि कोई प्राकृतिक अशुभ इसके साथ है या इसे प्रभाव दे रहा है इस बीच सातवां स्वामी भली प्रकार स्थिर नहीं है तब आपके वैवाहिक जीवन की खुशियों पर प्रश्नचिन्ह लग जाएगा.

इन्द्र

युरेनस आपके दसवें घर में है. आपकी भौतिकता ही आपकी उल्लेखनीय खूबी बनेगी और शायद आपकी दिलचस्पी विलक्षण कार्यों में रहेगी. अपने माता–पिता अपने भाई–बंधुओं आदी के साथ आपके अजनबी जैसे रिश्ते बनकर रह सकते हैं. अर्थात आप उनके साथ एक दूरी बनाकर रखेंगे. शायद आप में अपने वरिष्ठजनों और नियोजनाओं के साथ कठिनाईयां उत्पन्न करने की आदत होगी और आपकी यह आदत शायद आपके कैरियर में बहुत रुकावटें पैदा करेगी. अगर आप किसी सरकारी सेवा में है या अपना व्यापार चला रहे हैं तो शायद आप जनसाधारण का विरोध सहना पड़ेगा और शायद आपको अपना कार्यक्षेत्र परिवर्तित करने के लिए मजबूर किया जाएगा. हो सकता है कि इनवेस्टमेंट आदी का लोभ आपको सही रास्ते से भटका देगा या फिर आप बिना वजह अपना अच्छा खासा कार्य जल्दी अमीर बनने की लालच में त्याग देंगे. अपनी जल्दबाज़ी में आपका ध्यान अपनी कमियों पर नहीं जायेगा और न आप नए व्यापार में हाथ डालने से पहले अपनी योग्यताओं को तौलकर देखेंगे. अगर देखेंगे तो पाएंगे कि यह कार्य आपके लिए बना ही नहीं यदि गुरु या शुक्र किसी प्रकार से दसवें घर में स्थित हैं या इसपर अपना असर दे रहे हैं तब परिणामों में उल्लेखनीय रूप से सुधार आयेंगे. यदि आपका लग्न कन्या या मीन है तो आप एक साथ दो पदों का भार संभालेंगे. मिसाल के तौर पर यदि आप एक तरफ कही सर्विस कर रहे होंगे तो दूसरी तरफ आपका अपना कोई छोटा–मोटा व्यापार भी होगा आप सलाहकार एंजेट इत्यादी का कार्य भी करेंगे.

वरुण

नेपच्यून आपके ग्यारहवें घर में मौजूद है. आपमें कुछ विलक्षण और अज्ञात आर्कषण होंगे. आपके जान पहचान वाले भी शायद भटकी हुई गतिविधियों वाले जने होंगे. जो लोग आपको मशवरे देंगे वह स्वयं ही शायद विश्वास योग्य नहीं होंगे. आपका जीवनसाथी शायद आपके दोस्तों के बीच बहुत सी गलतफह्मियां पैदा करेगा. हालांकि अपने सहयोगियों की भूल–चूक के लिए आप सीधे तौर पर ज़िम्मेदार नहीं

होंगे मगर यह बात निश्चिंत है कि कुछ उत्साही दर्शकों की त्यौरियां यह सब देखकर चढ़ जाएंगी, और आप भी शहर भर में चर्चा का विषय बन जायेंगे. अगर किसी तरह से ग्यारहवां स्वामी भले तरीके से मौजूद हैं या कोई कुदरती शुभ ग्रह इसके साथ है या इसपर अपना असर दे रहा है तब स्थिती में बेहतरी के लिए उल्लेखनीय सुधार आयेंगे. मगर यदि आपका ग्यारहवां स्वामी भले ढंग से स्थित नहीं है या एक से ज़्यादा कुदरती अशुभ ग्रह इसपर अपना असर दे रहे हैं तब हालात बद से बदतर होते जायेंगे और आपको शायद अपने जीवनसाथी या अपने मित्रों द्वारा विश्वासघात और धोखेबाजी से दुखी होना पड़ेगा. यदि आपका वीनस भी केवल किसी कुदरती अशुभ ग्रह के प्रभाव में है तब आपका यह जो दुखद इतिहास होगा वह सारे शहर के लिए एक मसालेदार किस्सा बन जायेगा और बार–बार दोहराया और सुना जाएगा.

रुद्र

क्योंकि प्लूटो आपके नौवें घर में मौजूद है अतः इस कारण आप रीती रिवाजों को मानने से इन्कार कर देंगे और ऐसे क्षेत्रों में जहाँ कट्टरपंथिता नहीं होगी आपकी रुचियां फैलती जाएगी. प्रभाव और भी बढ़ सकते हैं यदि ज्युपीटर आपकी कुंडली में अच्छी तरह से स्थित नहीं है यदि कोई प्राकृतिक अशुभ ग्रह इसके साथ है या इसे प्रभाव दे रहा है तो हो सकता है कि आप धर्म को न माने, और शायद भगवान के होने पर भी सवाल उठायें.

अगर आपका चौथा स्वामी भले ढंग से स्थित नहीं है तो अपने भाई बंधुओं तथा राजनितिक विषयों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे अपने आधारहीन कार्यों और गतिविधियों के कारण शायद आपको बहुत कम उम्र में अपनी जल्दबाज़ी में की गयीं गलतियों के घर को छोड़ना पड़ सकता है.

मगर स्थिती में बेहतरी के लिए सुधाए आयेंगे, अगर जूपीटर या वीनस इसके साथ है या इसे प्रभाव दे रहे हैं. अगर आपकी कुंडली में शनि और मरक्यूरी भले ढंग से स्थित है तो शायद आप या आपका कुछ संपर्क हवाई यात्रा से रहेगा या आपको और आंतरिक खोज आदी के विषय में बहुत रूची बनेगी. अगर मार्स प्रभाव दे रहा है तो शायद आपका संपर्क रेडियो–एक्टिव तत्व या विस्फोटकों से बनेगा. यदि वीनस प्रभाव दे रहा है तो शायद आप संपर्क रेडिएशन जैसे एक्स–रेज आदी से होगा. अगर मरक्यूरी प्रभावित कर रहा है तो शायद आप अपने भाषण. लेखों के लिए जाने जायेंगे. अगर राहु या केतू में से कोई एक प्लूटो के साथ है तो आपका कुछ संपर्क एसिड धुएं आदी से हो सकता है.

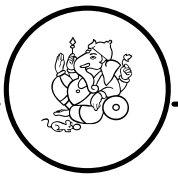

जन्म नक्षत्र फल

नक्षत्र फल

चूंकि आप अपने समस्त कार्यकलापों में दूसरों के प्रति अति सत्यनिष्ठा रखते हैं इसलिए आपका दूसरों से भी ऐसी ही सत्यनिष्ठा की अपेक्षा करना उचित है किन्तु सामान्यतः दूसरों से आपको अपेक्षित सत्यनिष्ठा प्राप्त नहीं हो पाती, इस कारण आप धीरे–धीरे सभी सन्दर्भों में सन्देहपूर्ण हो जाते हैं और दूसरों पर सन्देह करने लगते हैं. आपके सत्यनिष्ठ व्यवहार के कारण आपसे कार्य व्यवहार करना लोगों के लिए सुखद अनुभव होगा किन्तु अपने रिश्तेदारों मित्रों एवं व्यापार साझेदारों के साथ कार्य व्यवहार करते समय आपको अति सावधान रहना चाहिए अन्यथा आपको धोखा हो सकता है. आपको लोगों पर अंधविश्वास नहीं करना चाहिए अन्यथा आपको पछताना पड़ेगा.

जिन लोगों से आपको धोखा मिल चुका हो उनके साथ पुनः कार्य–व्यवहार करने की आपमें एक स्वभविक प्रवृति होगी. यद्यपि आपमें पहल करने की क्षमता, उत्सुकता, जागरूकता, बुद्धि की चमक तथा कर्मठता होगी किन्तु दूसरों के प्रति आपमें स्नेह पूर्ण सम्मान होने के कारण संभावना रहती है कि दूसरे लोग आपका गलत फायदा उठाने की कोशिश करें.

आपको सादगी भरा सिद्धान्तवादी जीवन प्रिय होगा. आप सदा अपने सच्चे तथा द्वेष मुक्त विचारों को प्रकट कर देते हैं. जब आपका सामना पूर्वानुग्रहों से ग्रसित न्यायपालिका अथवा कानून से होगा तब आप असहिष्णु हो उठते हैं. अपने कार्य व्यवसाय के क्षेत्र में आप दूसरों के विचारों का सम्मान करेंगे तथा उन विचारों को अपनाने में भी सहमत हो जाते हैं. लेकिन अपने व्यक्तिगत जीवन में आप अपनी प्रसन्नतानुसार कार्य करेंगे. यद्यपि बाह्य रूप से आप जनता के समक्ष साहसी होने का नाटक कर लेते हैं किन्तु वास्तव में आप सर्वथा विपरीत स्वभाव के होंगे और ऐसा कोई भी कार्य करने का प्रयास नहीं करते जिसमें अति साहस की आवश्यकता हो.

आपमें मानसिक शान्ति खो देने की प्रवृत्ती होगी और आप छोटी–छोटी बातों में भी झल्ला उठते हैं, ३२ वर्ष की आयु तक आपका जीवन विषम स्थितियों से भरे एक युद्ध के समान होगा, जो सागर में भटकती दिशा विहीन नाव सा प्रतीत होगा. ३२ वर्ष की आयु के पश्चात परिस्थितियों एवं जीवन स्तर में सुधार होगा और आपको जीवन से सन्तुष्टि मिलना आरंभ हो जाता है.

शारिरिक सरंचना

आपकी मुखाकृति प्रभावोत्पादक, कद लम्बा, शरीर गठ हुआ, रंग मद्धम, टांगे पतली तथा हाथ लम्बे होंगे.

शिक्षा

आपकी शिक्षा दीक्षा अच्छी होगी. आप बहुत अच्छे वित्तीय सलाहकार बन सकते हैं. यद्यपि आप दूसरों को मितव्ययता की सलाह देते हैं किन्तु स्वयं अपना व्यय कम नही कर पाते परिणाम स्वरूप आप स्वयं को दुःखद स्थिति में पा सकते हैं. आप कई उतार–चढावों में भटकते हैं और ३२ वर्ष की आयु के उपरान्त ही कुछ उपलब्धियाँ प्राप्त करने में समर्थ हो पाते हैं. तब आप कोई नया कार्य आरंभ कर सकते हैं जो सफल होगा. अधिकांशतः आप अपने वर्तमान कार्य की थकान भरी विवशताओं को पूर्ण करने से पूर्व ही नए प्रोजेक्ट आरंभ कर देते हैं किन्तु ऐसा आप अपनी किसी कमी के कारण नहीं बल्कि आत्मचेतना के कारण करेंगे. आपमें किसी प्रोजेक्ट की व्यवहारिक क्षमता जाचने की विलक्षण क्षमता होगी तथा किसी प्रोजेक्ट की आरंभ कर देने के पश्चात भी यदि आपको लगता है कि आपके प्रयास सफल नहीं होंगे तो आप प्रोजेक्ट को वही रोक देते हैं और विकल्प ढूंढते हैं संभावना रहती है कि एक ही कार्य को करने की एकलयता आपको अति उकताहटपूर्ण लगे.

किसी भी प्रकार का कार्य कर सकने की योग्यता होते हुए भी उचित अवसर आने पर आप कभी–कभी असफल हो जाते हैं जिस कारण आपमें आत्महत्या करने की प्रवृत्ति आ जाने की सीमा तक निराशावाद छा सकता है. यह इस नक्षत्र में जन्म लेने वालों का ऋणात्मक पहलू होगा. आपके लिए यह उचित सलाह होगी कि आप उचित 'उपाय' अपनायें. ३२ वर्ष से ५० वर्ष की आयु – अवधि में आप अति सक्रिय रहते हैं और आपको यह जानकर संतोष मिलेगा कि आप जिस कार्य में भी हाथ डालेंगे वह कार्य सोना बन जायेगा, इस आयु अवधि में आप बिना अधिक प्रयास किए ही अच्छी फसल काट सकते हैं. लेकिन आपको सावधान रहना चाहिए क्योंकि जो कुछ आप इस आयु अवधि में उपर्जित करते है उसे आप अपनी ही त्रुटियों के कारण बाद में खों सकते हैं.

पारिवारिक जीवन

अपने सहोदर से आपको लाभ प्राप्त होने की संभावना नहीं रहती क्योंकि वो न केवल आपके लिए समस्या का स्त्रोत बन सकते हैं वरन आपके शत्रु बन आपको हानि भी पहुँचा सकते हैं. आपके सत्यनिष्ठ प्रेम व स्नेह का आपके रिश्तेदारों पर कोई सुप्रभाव नहीं पड़ता और संभावना रहती है कि आपकी त्रुटि न होने पर भी वो लोग कोई अभियोग आप पर थोप दें. आपको नियतिअनुसार वस्तु स्थिति को स्वीकार करने का प्रयास करना चाहिए. संभावना रहती है कि आपकी पत्नी का स्वास्थ अच्छा न रहे तथा वैवाहिक जीवन में सामन्जस्य की कमी हो. इस कमी का कारण मुख्यतः महत्वहीन बातों पर आपसी मतभेद तथा अशंतः आपकी हठधर्मिता होगा. वैवाहिक जीवन में सामंजस्य की कमी का कारण हीन भावना भी हो सकता है. आपका ह्रदय निर्मल होना चाहिए और आपको समझौता करना सीखना चाहिए. यदि आपकी पत्नी मंगलवार का व्रत करें तथा भगवान शिव की पूजा अर्चना करे तो वैवाहिक जीवन का असामन्जस्य धीरे–धीरे दूर हो सकता है.

स्वास्थ

आपकी प्रारंभिक बाल्यावस्था में आपका स्वास्थ अति क्षीण हो सकता है आपको बार–बार कब्ज़ की समस्या हो सकती है, जिस कारण आपको अमाशय सम्बन्धी कई विकारों का सामना करना पड़ सकता है. आपको कन्धे तथा कॉलर बोन के आसपास चोट लग सकती है.

रवि –– धनिष्ठा –– चरण –– 1

प्रतिभा आपको वरदान में मिलती है और कुशलता आप स्वयं प्राप्त कर लेंगे, किन्तु आप अपनी प्रतिभा के लिए मान्यता तथा प्रशंसा चाहते हैं. आप अपनी ही आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हैं. आपकी कद–काठी छोटी होगी तथा रंग गोरा होगा, आप विधवाओं तथा तलाकशुदा महिलाओं की संगती प्राप्त करने में रुचि रखेंगे.

बुध –– श्रवण –– चरण –– 4

आपका स्वभाव तथा प्रतिभायें होटल उद्योग के सर्वथा उपयुक्त होंगी. अतः इस उद्योग से आप आय अर्जित कर सकते हैं. आप एक कमीशन एजेन्ट या सम्पत्ति एजेन्ट भी बन सकते हैं. धन से सम्बन्धित मामलों में आप अत्यन्त चतुर तथा सर्तक होंगे. आपको अपना ध्यान इधर–उधर न भटकने देकर जो भी कार्य आपके हाथ में हो उस में ही केन्द्रित करना चाहिए.

शुक्र –– मूल –– चरण –– 3

यदि शुक्र यहाँ अकेला स्थित है तो आपका जीवन साधारण सा रहता है आपकी पत्नी तथा बच्चे उत्तम होंगे किन्तु आपके हिस्से घरेलू जीवन में आने वाली सभी सामान्य जटिलताऐं अवश्य आती हैं.

मंगल –– श्रवण –– चरण –– 4

संभावना है कि आप अपने घर में प्रथम संतान हों तथा आपका एक ही सहोदर हो जो आपके जन्म के एक लम्बे अन्तर के पश्चात जन्म लेता हैं. मंगल की यह स्थिति आपको एक सफल चिकित्सक बनाती हैं. यदि मंगल पर बृहस्पति की दृष्टि हो तो आप सरकारी अधिकारी बन सकते हैं.

गुरु –– पुष्य –– चरण –– 2

आपके पास वो सब कुछ होगा जो जीवन को सुन्दर बनाने के लिए चाहिए. दूसरे शब्दों में आपके पास स्वास्थ, धनसम्पदा, पत्नी तथा बच्चे सब कुछ होगा. आप उत्तर दायित्व तथा विशवसनियता वाला स्थान प्राप्त करेंगे. यदि आप व्यापार में हैं तो आप आयात–निर्यात के कारोबार में हो सकते हैं. आप पेट्रोलियम तथा इसके उत्पादों से संबन्धित व्यापार से भी संबध रख सकते हैं.

शनि –– पूर्व फाल्गुनी –– चरण –– 2

आप दयालु तथा वासनामय होंगे, आप एक लेखक के रूप में धन अर्जित करेंगे, आप लगभग ५० वर्ष की आयु तक मान्यता प्राप्त करेंगे, आपका वैवाहिक जीवन सुखी होगा, आपका एक पुत्र तथा एक पुत्री होगी, गर्भावस्था में आपकी पत्नी आपके ध्यान तथा देखरेख की आवश्यकता पड़ती है, यदि सूर्य भी यही स्थित है तथा मंगल व शनि दोनों की ही दृष्टि है तो आप नेत्र से सम्बन्धित विकारों से पीड़ित हो सकते हैं.

चन्द्र –– मृगशिरा –– चरण –– 2

यदि यही खण्ड लग्न भी हो तो आपका परिवार सम्पन्न तथा सभ्रान्त होगा. आपका विवाह कम उम्र में होगा और वैवाहिक जीवन सुखमय होगा, आपको फेफड़ों तथा हृदय सम्बन्धित विकार हो सकते हैं.

राहु –– पूर्व फाल्गुनी –– चरण –– 4

आप कुशाग्र बुद्धि तथा सक्षम होंगे, तथा सरकार से सम्मान प्राप्त करेंगे आपको अपने जीवन में विवाहेत्तर प्रेम संबंधो से दूर रहना होगा, क्योंकि इनसे आपके तनाव ग्रसित हो जाने की पूर्ण संभावना है.

केतु –– पूर्व भाद्रपद –– चरण –– 2

आप प्रचुर धन अर्जित करेंगे, आपकी पत्नी को निरन्तर आपके ध्यान तथा देखरेख की आवश्यकता पड़ती हैं.

This document was created with the Win2PDF “Print to PDF” printer available at

https://www.win2pdf.com

This version of Win2PDF 10 is for evaluation and non-commercial use only.
Visit https://www.win2pdf.com/trial/ for a 30 day trial license.

This page will not be added after purchasing Win2PDF.

https://www.win2pdf.com/purchase/